राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 25 मार्च 2025
वर्ष 16, अंक 81, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश , असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ में ईद-उल-फित्र की नमाज को लेकर व्यापक यातायात डायवर्जन..03

जयकारों से गूंजे देवी मंदिर, नवरात्र के प्रथम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड..04

समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से जुड़े कुछ चुनिंदा शिल्पियों (कर्मयोगी) को सम्मानित करने के बाद उपस्थित रामभक्तों को संबोधित किया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु डेढ़ वर्ष के अंतराल पर दूसरी बार अयोध्या पहुंची और राम मंदिर में श्रीराम यंत्र को स्थापित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर कहा कि श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा ही है। इस परम पवित्र श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, यहां रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक, इन सभी आयामों पर हो रहा है। देव-भक्ति और देश-भक्ति, दोनों का मार्ग एक ही है। मैं चाहूंगी कि हमारे सभी देशवासी 'घट-घट व्यापी राम' के पवित्र भक्ति-भाव के साथ एकात्म होकर आगे बढ़ें।

राम-राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। मैं यहां पर आकर गौरवांवित हूं। राम मंदिर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें यह सौभाग्य का पल मिला है। राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, मंदिर का ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां हैं। मुझे श्रीराम यंत्र की स्थापना का अवसर मिला है। यह प्रभु श्रीराम की मेरे ऊपर कृपा का प्रतीक है। ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन करना एक जैसा है। आज के इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारत मां के सम्मान और वैभव को शिखर पर ले जाएंगे।

अयोध्या वैश्चिक चेतना का केंद्र : राज्यपाल आनंदी बेन

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को चैत्र नवरात्र की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का मंदिर अब एक राष्ट्र मंदिर बन चुका है। ये हमारे लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह सौभाग्यशाली पल करोड़ों रामभक्तों के संघर्ष और बलिदान के कारण संभव हो सका है। आज अयोध्या वैश्चिक चेतना का केंद्र बन चुकी है।

अयोध्या में होती है रामराज्य की अनुभूतिः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज दुनिया भर में युद्ध चल रहे हैं पर हम लोग आज राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के इस आनंदमयी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। यही तो रामराज्य की अनुभूति है, इसलिए ही तो कहा जाता है कि हमारा भारत वर्ष साधु-संतों की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर हमारे युवाओं को हमारी संस्कृति से जोड़ रहा है। यही कारण है कि जब नववर्ष का शुभारंभ होता है तो युवा कहीं और नहीं जाकर मंदिर में दर्शन कर अपने नववर्ष का शुभारंभ करता है। उन्होंने सभी रामभक्तों को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज श्रीराम यंत्र की स्थापना के साथ ही प्रभु श्रीराम का मंदिर परिपूर्ण हो गया। राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। राममंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद आयोजित कार्यक्रम में हजारों रामभक्तों को संबोधित करते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि इसके साथ ही 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण परिपूर्ण हो गया है। कार्यक्रम में राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें वो लोग भी शामिल रहे जो 1984 से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़े हुए थे।

सरकार ने गेहूं पर 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई MSP, कैबिनेट की बैठक में किसानों के हित में योगी का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्ताव लाए गए, जिनमें से 2 प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। इनमें चीनी उद्योग और लखीमपुर खीरी से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है।

6500 क्रय केंद्र पर होगी गेंहू खरीद

उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद मार्च से 15 जून तक की जाएगी। राज्य के सभी 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्र बनाए जाएंगे और 8 एजेंसियों के माध्यम से खरीद होगी। इन एजेंसियों में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड और एनसीसीएफ शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार ने दुमका (झारखंड) में 2242.90 करोड़ रुपये में कोल ब्लॉक खरीदा है। इससे घाटमपुर स्थित 660 मेगावाट की तीन यूनिटों को कोयला मिलेगा।

अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर

उन्होंने कहा कि अभी कोयला दूर से मंगाना पड़ता है, लेकिन झारखंड से आपूर्ति होने पर बिजली उत्पादन सस्ता होगा और उपभोक्ताओं को करीब 80 पैसे प्रति यूनिट तक सस्ती बिजली मिल सकेगी। राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी दी है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि सभी नगर निगमों को भी सोलर सिटी बनाने की योजना है। इसके अलावा गोरखपुर के चिलुआ ताल में सोलर प्लांट लगाया जाएगा, जिसे कोल इंडिया लिमिटेड स्थापित करेगी।

निजी बिजनेस पाक निर्माण योजना को मंजूरी

इसके लिए सरकार ने 80 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि निजी बिजनेस पाक निर्माण योजना को मंजूरी दी गई है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही संभल में इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक सेंटर विकसित किया जाएगा, जिसे निवेशकों को सौंपा जाएगा। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से उत्तर प्रदेश में कृषि, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

कानपुर में एक्सपो मेले में समय सीमा तोड़कर उड़ाई नियमों की धज्जियां, आयोजक दंपती पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बृजेंद्र स्वरूप पार्क में आयोजित एक्सपो मेले में प्रशासनिक शर्तों का खुलेआम उल्लंघन सामने आया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि मेला रात्रि 10 बजे तक ही संचालित किया जाएगा, लेकिन पुलिस गश्त के दौरान रात 11 बजे भी मेला पूरी तरह संचालित होता मिला। पुलिस ने जब मेला बंद कराने का प्रयास किया तो आयोजक दंपती ने आत्महत्या की धमकी दी। पुलिस ने दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कर्नलगंज थानाक्षेत्र के ईदगाह चौकी प्रभारी रिंकू कुमार ने बताया कि बृजेंद्र स्वरूप पार्क में रेलबाजार निवासी आयोजक आमिर सिद्दीकी और उनकी पत्नी जोया सिद्दीकी द्वारा एक्सपो मेले का संचालन किया जा रहा है। रविवार रात करीब 11 बजे गश्त के दौरान मेले में लगे लाउडस्पीकर तेज आवाज में बज रहे थे, जिससे ध्वनि प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन हो रहा था। इसके अलावा झूलों का संचालन जारी था और बिना अनुमति जलपरी प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जो नियमों के विपरीत है।

नियमानुसार रात 10 बजे तक ही मेले के संचालन की अनुमति प्रदान की गई थी। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर मौजूद आयोजकों को कई बार मौखिक चेतावनी देकर मेला बंद करने के निर्देश दिए, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। मामले को लेकर चौकी इंचार्ज ने आयोजक दंपती के खिलाफ तहरीर दी। एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया ने बताया कि चौकी प्रभारी की तहरीर पर आयोजक दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं आयोजक अमिर सिद्दकी का कहना है कि लाउडस्पीकर समय से बंद करवा दिए गए थे भीड़ के निकलते-निकलते समय हो गया था। आरोप निराधार हैं।

इधर, गाली गलौज का विरोध करने पर युवक को पीटा, मुकदमा

चकेरी थाना क्षेत्र के देवीगंज में नशेबाजी के विरोध पर युवक से गाली गलौज के बाद मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है। देवीगंज निवासी लक्ष्मण की तहरीर के अनुसार बीती 18 मार्च को उनका बेटा समीर घर के बाहर खड़े होकर अपनी मां से बातचीत कर रहा था। इस दौरान आरोपित अंशू वहां पहुंचा। इसके बाद बेटे समीर से बेवजह गाली गलौज करने लगा। विरोध पर आरोपित ने समीर को बुरी तरह से पीटा। मामले में थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

गुजरात में आश्रम की आड़ में छप रहे थे नकली नोट, 2 करोड़ की नकली करेंसी बरामद

गुजरात में नकली नोटों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। सूरत से संचालित इस फर्जी करेंसी नेटवर्क में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए गए हैं, जबकि 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ, वह इस नेटवर्क का एक आध्यात्मिक आश्रम से जुड़ा होना है। सूरत के कामरेज तालुका के धोरण पारडी गांव में स्थित 'श्री सत्य योग फाउंडेशन' के आश्रम में नकली नोट छापने का काम किया जा रहा था। बाहर से धर्म और योग का केंद्र दिखने वाला यह आश्रम अंदर ही अंदर फर्जी करेंसी के कारोबार का अड्डा बना हुआ था।

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि सूरत से नकली नोटों की बड़ी खेप अहमदाबाद लाई जा रही है। इसके बाद अमराईवाड़ी इलाके में निगरानी रखी गई, जहां संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक महिला समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 500 रुपये के 40 हजार से ज्यादा नकली नोट बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये नोट सूरत के वराछा इलाके में छापे गए थे। इन्हें बाजार में खपाने के लिए खास स्कीम बनाई गई थी। '500 असली दो और 1500 नकली लो ', यानी 66 लाख रुपये के बदले 2 करोड़ रुपये की नकली करेंसी बाजार में उतारने की तैयारी थी। हालांकि आरोपी अपनी पहली ही डील में पुलिस के हत्थे चढ़ गए। क्राइम ब्रांच ने सूरत में आश्रम और अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर प्रिंटिंग मशीन, कंप्यूटर, विशेष कागज, रंग और कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आश्रम की गाड़ियों का इस्तेमाल इस नेटवर्क में किया जा रहा था। बरामद नोटों के सीरियल नंबर दर्ज करने में पुलिस को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

राज्य विश्वविद्यालय में बैक पेपर में प्रमोट की मांग को लेकर प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन, थाली पीट जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों का गुस्सा एक बार फिर गुरुवार को सड़कों पर दिखा। स्नातक और परास्नातक परीक्षा परिणाम में बड़ी संख्या में छात्रों को बैक और फेल किए जाने से आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया।

बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को बैक या फेल हुए हैं छात्र

छात्रों का कहना है कि एक मार्च को जारी परिणाम में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को बैक या फेल कर दिया गया, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों की मुख्य मांग है कि बैक किए गए विद्यार्थियों को प्रमोट करें अथवा परिणाम की दोबारा निष्पक्ष समीक्षा कराई जाए।

कई जिलों के छात्र राजय विश्वविद्यालय में जुटे

गुरुवार को प्रतापगढ़, कौशांबी, मीरजापुर, भदोही और फतेहपुर समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय पहुंचे। करीब दो घंटे तक छात्र परिसर में डटे रहे, लेकिन उनकी शिकायत सुनने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे छात्रों में नाराजगी और बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया था। कुलपति प्रोफेसर अखिलेश सिंह ने कहा कि छात्र चुनौती मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

करीब 50 हजार छात्र फेल हैं

विश्वविद्यालय की स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में अब तक करीब तीन लाख छात्रों का परिणाम घोषित किया जा चुका है। इनमें से लगभग 18 से 20 प्रतिशत यानी करीब 50 हजार छात्र फेल हो गए हैं। अभी करीब दो लाख छात्रों के परिणाम घोषित होने बाकी हैं। परिणामों के सामने आने के बाद कई विषयों में असामान्य रूप से कम पास प्रतिशत को लेकर छात्रों और कॉलेज प्रबंधन दोनों ने सवाल उठाए हैं।

35 से 48 % ही विज्ञान विषयों में उत्तीर्ण हैं

सबसे अधिक खराब परिणाम परास्नातक के विज्ञान विषयों में सामने आए हैं। एमएससी जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और वनस्पति विज्ञान में केवल 35 से 48 प्रतिशत छात्र ही पास हो सके हैं। वहीं बीकॉम पांचवें सेमेस्टर में भी मात्र 48 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं। प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की बात करें तो एलएलबी और बीएएलएलबी में भी पास प्रतिशत 38 से 40 के बीच रहा, जिससे लगभग आधे छात्र असफल हो गए। परिणामों को लेकर स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों ने भी कड़ी आपत्ति जताई है।

छात्रों की मांग- अन्य छात्रों को भी प्रमोट किया जाए

छात्रों का कहना है कि बीते 13 मार्च को हुए प्रदर्शन के दौरान कुलपति के द्वारा रिव्यू कमेटी गठित की गई थी। कमेटी द्वारा बीते बुधवार को परिणाम घोषित किया गया, जिसमें मात्र 10 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रमोट किया गया है। शेष का भविष्य अधर में है। अन्य छात्रों को भी प्रमोट किया जाए इसी मांग को लेकर आज धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है।

सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन को बड़ी राहत... दिल्ली HC ने 'नक्कीरन' को विवादित कंटेंट हटाने का दिया आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए तमिल मीडिया आउटलेट 'नक्कीरन' को ईशा फाउंडेशन और सद्गुरु के खिलाफ अभद्र, अश्लील और विवादित कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है. हाई कोर्ट ने कहा कि वे सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन से जुड़े उन सभी विवादित वीडियो और लेखों को हटा दें, जो भ्रामक या मानहानि करने वाले हैं ईशा फाउंडेशन ने दिसंबर 2025 में कोर्ट में अर्जी दी थी कि उनके खिलाफ झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, जिससे उनके समाज कल्याण के कामों में रुकावट आ रही है. कोर्ट ने नक्कीरन को ऐसी सामग्री दोबारा प्रकाशित न करने के लिए भी कहा है।

सच की जीत हुई है- ईशा फाउंडेशन

ईशा फाउंडेशन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि कुछ लोग बिना किसी सबूत के जानबूझकर जनता को गुमराह कर रहे थे, लेकिन सच की जीत हुई है. ईशा फाउंडेशन ने कहा कि हम दिल्ली हाई कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का स्वागत करते हैं दरअसल, यह मामला नक्कीरन द्वारा प्रकाशित वीडियो की एक श्रृंखला से जुड़ा है, जिनमें मानहानिकारक, अभद्र और अश्लील सामग्री थी और जिनके माध्यम से ईशा फाउंडेशन और सद्गुरु की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई थी. इसके जवाब में, फाउंडेशन ने 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का एक मुकदमा दायर किया था।

2025 में HC ने सुरक्षित रख लिया था फैसला

इससमें ऐसी सामग्री को हटाने और भविष्य में इस तरह की सामग्री के प्रकाशन पर रोक लगाने की मांग की गई थी. ईशा ने इस मामले में एक अंतरिम आवेदन दायर करके मुकदमे में उल्लिखित सामग्री के साथ-साथ, सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरण याचिका के दौरान प्रकाशित सामग्री को भी तुरंत हटाने और ऐसी सामग्री के आगे प्रकाशन पर रोक लगाने की मांग की थी. इस आवेदन पर दिसंबर 2025 में सुनवाई हुई, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

'मदद करने का हमारा संकल्प नहीं रुकेगा'

पिछले 30 सालों से ज्यादा समय से ईशा फाउंडेशन समाज की भलाई और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है, जिससे करोड़ों लोगों को फायदा हुआ है. कुछ लोग जानबूझकर फाउंडेशन के काम को रोकने के लिए हमले कर रहे हैं. ईशा फाउंडेशन ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा. झूठ फैलाने या बदनाम करने की कोशिशों से लोगों की मदद करने का हमारा संकल्प नहीं रुकेगा।

दिल्ली HC ने यूट्यूबर को वीडियो हटाने को कहा था

दरअसल, मार्च 2025 में दिल्ली हाई कोर्ट ने यूट्यूबर श्याम मीरा सिंह को सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन के खिलाफ झूठे दावों वाला विवादित वीडियो हटाने का निर्देश दिया था. अदालती आदेशों के बाद यूट्यूबर द्वारा वह भ्रामक वीडियो हटा दिया गया था।

मुजफ्फरपुर में गैस एजेंसी पर फूटा उपभोक्ताओं का गुस्सा, प्रबंधन के खिलाफ की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के दुर्गा स्थान स्थित एक गैस एजेंसी पर बुधवार को उपभोक्ताओं ने जमकर बवाल काटा। घंटों कतार में खड़े रहने और होम डिलीवरी का शुल्क चुकाने के बावजूद गैस नहीं मिलने से नाराज लोगों ने एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। उपभोक्ताओं का आरोप है कि ऑनलाइन बुकिंग के बाद भी उनके पास मैसेज नहीं आ रहा है, जिससे आपूर्ति बाधित हो रही है। होम डिलीवरी को लेकर 18-20 रुपये ले रहे हैं, फिर गैस होम डिलीवरी नहीं मिल रही। नौबत यह है कि वितरण केंद्र पर 5-7 घंटे कतार में लगने के बाद भी गैस नहीं मिल रही।

घंटों लाइन में लगे रहने के बाद भी नहीं मिला सिलेंडर

प्रदर्शन कर रहे स्थानीय दीपक कुमार ने बताया कि वे सिलेंडर की होम डिलीवरी के लिए निर्धारित अतिरिक्त शुल्क का भुगतान पहले ही कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें खुद सिलेंडर लेने के लिए वितरण केंद्र तक आना पड़ रहा है।

भीषण गर्मी में घंटों लाइन में लगे रहने के बाद जब एजेंसी की ओर से गैस खत्म होने की बात कही। बिना वर्दी में गैस वितरण मनमानी तरीके से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें गैस मिलें या नहीं। कालाबाजारी के यहां गैस जरुर मिल जा रही है।

उपभोक्ताओं ने एजेंसी पर लगाया मनमानी का आरोप

उपभोक्ताओं ने एजेंसी पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि ऑनलाइन नंबर लगाने के बावजूद उनके मोबाइल पर कन्फर्मेशन मैसेज (ओटीपी) नहीं आ रहा है। बिना मैसेज के गैस देने से एजेंसी कर्मी इनकार कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि एक ओर डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहीं दूसरी ओर तकनीकी खामियों की आड़ में आम जनता को परेशान किया जा रहा है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में घरेलू गैस की किल्लत बनी हुई है। होली के बाद से ही सिलेंडरों की आवक कम होने की चर्चा है। हंगामे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। एजेंसी संचालकों का कहना है कि स्टॉक की कमी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।

घर बने लाक्षागृह देश में बढ़ती अग्नि त्रासदियों का डरावना सच दिल्ली इंदौर से सूरत तक आग की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

देश में तेजी से आधुनिक सुविधाएं बढ़ रही हैं लेकिन इनके साथ सुरक्षा के खतरे भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहे हैं। हाल ही में दिल्ली और इंदौर में हुए दो भीषण अग्निकांडों ने पूरे देश को झकझोर दिया। इन हादसों में 5 मासूम बच्चों सहित कुल 17 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इन घटनाओं ने यह साबित कर दिया कि यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाए तो घर ही लाक्षागृह बन जाते हैं जहां से निकलना लगभग असंभव हो जाता है।

इंदौर के ग्रेटर बृजेश्वरी इलाके में तड़के करीब चार बजे एक इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ। यह आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते तीन मंजिला मकान उसकी चपेट में आ गया। घर के भीतर सो रहे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। आग पहले पार्किंग से होते हुए बिजली के तारों और एयर कंडीशनर तक पहुंची और फिर धमाकों का सिलसिला शुरू हो गया। बाद में सिलेंडर विस्फोट ने स्थिति को और भयावह बना दिया।

इस घर में मनोज पुगलिया का परिवार रहता था और उस दिन उनके रिश्तेदार भी बिहार से आए हुए थे। परिवार में खुशियों का माहौल था क्योंकि एक महीने पहले ही उनके बेटे सोमिल की शादी हुई थी। गणगौर के अवसर पर बहू अपने मायके गई हुई थी, वरना वह भी इस हादसे की शिकार हो सकती थी। आग की लपटों में मनोज की गर्भवती बहू सिमरन सहित आठ लोगों की जान चली गई। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि कई स्तरों पर लापरवाही का परिणाम था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक व्यक्ति ने सबसे पहले आग देखी और लोगों को जगाया। आसपास के लोगों ने बिजली सप्लाई बंद करने की कोशिश की लेकिन तब तक आग फैल चुकी थी। कार और एसी कंप्रेसर में विस्फोट होने लगे जिससे दहशत और बढ़ गई। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई लेकिन लोगों का आरोप है कि वह देर से पहुंची और आग पर काबू पाने में ढाई घंटे लग गए।

इस हादसे में एक और गंभीर पहलू सामने आया। घर में लगे इलेक्ट्रिक स्मार्ट लॉक के कारण लोग बाहर नहीं निकल पाए। बिजली बंद होने के बाद लॉक सिस्टम फेल हो गया और दरवाजे नहीं खुल सके। यह आधुनिक सुविधा उस समय जानलेवा साबित हुई जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। यह घटना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम तकनीक पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो रहे हैं बिना उसके जोखिम समझे।

दूसरी ओर दिल्ली के पालम इलाके में एक बहुमंजिला इमारत में लगी आग ने नौ लोगों की जान ले ली। यहां भी स्थिति बेहद भयावह थी। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर कपड़ों और कॉस्मेटिक्स का शोरूम था जहां से आग शुरू हुई और तेजी से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। संकरी गलियों और अपर्याप्त निकासी मार्ग के कारण लोग फंस गए। धुएं और आग ने बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया।

हादसे के दौरान लोगों ने अपने बच्चों को बचाने के लिए उन्हें नीचे खड़े लोगों की ओर फेंका। यह दृश्य जितना दर्दनाक था उतना ही भयावह भी। कुछ बच्चों को बचा लिया गया लेकिन कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना शहरी इलाकों में बढ़ती अव्यवस्थित निर्माण व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की ओर इशारा करती है।

ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का रूप लेती जा रही हैं। हाल ही में सूरत के टेक्सटाइल मार्केट में भी भीषण आग लगी थी जिसमें करोड़ों का नुकसान हुआ। यह आग भी तेजी से फैली और फायर सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर गई। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और नोएडा जैसे शहरों में भी कई बड़े अग्निकांड सामने आए हैं। कहीं अस्पतालों में आग लगी तो कहीं फैक्ट्रियों और गोदामों में। हर घटना के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा होती है लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार बहुत धीमा है।

इन सभी घटनाओं में एक समानता साफ दिखाई देती है। अधिकतर जगहों पर अग्निशमन उपकरण या तो मौजूद नहीं थे या काम नहीं कर रहे थे। निकासी मार्ग अवरुद्ध थे या अपर्याप्त थे। बिजली के तारों का रखरखाव सही नहीं था और ज्वलनशील सामग्री का अत्यधिक उपयोग किया गया था। इसके अलावा आधुनिक उपकरण जैसे स्मार्ट लॉक और इलेक्ट्रिक चार्जिंग सिस्टम बिना उचित सुरक्षा व्यवस्था के उपयोग किए जा रहे हैं।

अगर इन हादसों से पहले की स्थिति को देखें तो हर जगह सामान्य जीवन चल रहा था। इंदौर में परिवार शादी की खुशियों में डूबा हुआ था। दिल्ली में लोग अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे। सूरत में व्यापारी अपने कारोबार में लगे थे। किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ ही मिनटों में सब कुछ बदल जाएगा। यही इन हादसों की सबसे बड़ी त्रासदी है कि ये अचानक होते हैं और संभलने का मौका नहीं देते।

इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि केवल सरकार या प्रशासन को दोष देना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिकों को भी जागरूक होना होगा। घरों में फायर सेफ्टी उपकरण जैसे अग्निशामक यंत्र, स्मोक अलार्म और आपातकालीन निकासी योजना होना जरूरी है। इलेक्ट्रिक उपकरणों का नियमित निरीक्षण किया जाना चाहिए। ईवी चार्जिंग के लिए सुरक्षित और मानक व्यवस्था अपनानी चाहिए। स्मार्ट लॉक जैसे उपकरणों में मैनुअल ओपनिंग सिस्टम जरूर होना चाहिए।

प्रशासन को भी बिल्डिंग निर्माण के नियमों को सख्ती से लागू करना होगा। फायर सेफ्टी ऑडिट को अनिवार्य और नियमित बनाना होगा। संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष व्यवस्था करनी होगी ताकि आपात स्थिति में राहत कार्य तेजी से हो सके। फायर ब्रिगेड की संख्या और संसाधनों में भी वृद्धि जरूरी है।

दिल्ली और इंदौर की घटनाएं केवल दो शहरों की कहानी नहीं हैं बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी हैं। अगर अब भी हम नहीं चेते तो ऐसे हादसे बार बार दोहराए जाएंगे और निर्दोष लोग अपनी जान गंवाते रहेंगे। आधुनिकता और सुविधा के साथ सुरक्षा को प्राथमिकता देना अब विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन चुका है।

कांतिलाल मांडोत

माता के तप, त्याग और साधना की अद्भुत कथा

(माता ब्रह्मचारिणी साधना और तप की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य बिना कठिन परिश्रम और धैर्य के प्राप्त नहीं होता)

नवरात्रि का दूसरा दिन देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी को समर्पित, उन्हें कोटि-कोटि प्रणाम। यह स्वरूप तपस्या, संयम, त्याग और अदम्य साधना का प्रतीक माना जाता है। 'ब्रह्मचारिणी' शब्द दो भागों से मिलकर बना है ब्रह्म' अर्थात् तप या परम सत्य, और 'चारिणी' अर्थात् आचरण करने वाली। अर्थात् जो ब्रह्म (तप) का आचरण करती हैं, वही ब्रह्मचारिणी हैं। यह रूप हमें जीवन में धैर्य, आत्मसंयम और लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप और प्रतीकात्मकता माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप अत्यंत साधारण, सौम्य और तपस्विनी है। वे नंगे पैर चलने वाली, हाथ में जपमाला और कमंडल धारण किए हुए दिखाई देती हैं। उनका यह स्वरूप बाहरी आडंबर से दूर रहकर आत्मिक शक्ति की ओर संकेत करता है। जपमाला साधना और ध्यान का प्रतीक है, जबकि कमंडल तप और त्याग का प्रतिनिधित्व करता है। उनके मुख पर दिव्य तेज और शांति का भाव होता है, जो साधना के उच्चतम स्तर को दर्शाता है। माता ब्रह्मचारिणी की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में माता ब्रह्मचारिणी का जन्म राजा हिमालय के घर पुत्री के रूप में हुआ था, जिनका नाम पार्वती था। बचपन से ही उनका मन भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए समर्पित था। देवर्षि नारद ने उन्हें शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या का मार्ग बताया। इसके बाद माता पार्वती ने घोर तपस्या आरंभ की। उन्होंने हजारों वर्षों तक कठिन व्रत और संयम का पालन किया। प्रारंभ में उन्होंने फल-फूल खाकर जीवन व्यतीत किया, फिर केवल पत्तों पर रहने लगीं। अंततः उन्होंने अन्न और जल का भी त्याग कर दिया। उनकी इस कठोर तपस्या के कारण उन्हें 'अपर्णा' नाम से भी पुकारा गया, जिसका अर्थ वह जिसने पत्तों तक का त्याग कर दिया। उनकी तपस्या इतनी प्रबल थी कि देवता, ऋषि और स्वयं ब्रह्मा भी प्रभावित हुए। अंततः भगवान शिव उनकी इस कठोर साधना से प्रसन्न हुए और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। यही तपस्विनी पार्वती नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी के रूप में पूजी जाती हैं।

माता ब्रह्मचारिणी साधना और तप की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य बिना कठिन परिश्रम और धैर्य के प्राप्त नहीं होता। उनका स्वरूप आत्म-नियंत्रण, त्याग और संकल्प की शक्ति का प्रतीक है। उनकी आराधना से भक्तों को मानसिक शांति, आत्मबल और दृढ़ता प्राप्त होती है। यह माना जाता है कि जो साधक सच्चे मन से माता ब्रह्मचारिणी की पूजा करता है, उसे अपने जीवन के संघर्षों में सफलता मिलती है और उसके मार्ग की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा विशेष विधि से की जाती है। भक्त प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और माता की प्रतिमा या चित्र के सामने दीप, धूप और फूल अर्पित करते हैं। उन्हें शक्कर, मिश्री और पंचामृत का भोग लगाया जाता है, जो दीर्घायु और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटना नहीं चाहिए। निरंतर प्रयास, संयम और विश्वास के साथ हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज के भौतिकवादी युग में, जहां लोग त्वरित सफलता की चाह रखते हैं, माता ब्रह्मचारिणी हमें धैर्य और साधना का महत्व समझाती हैं। निष्कर्षत, माता ब्रह्मचारिणी केवल एक देवी स्वरूप नहीं, बल्कि जीवन की उस साधना का प्रतीक हैं, जो हमें आत्मबल, शांति और सफलता की ओर ले जाती है। उनकी कथा हमें यह प्रेरणा देती है कि यदि संकल्प अडिग हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

संजीव ठाकुर

किस्सागोई: जो समय से परे जाकर मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है

किस्सागोई: जहाँ जीवन स्वयं अपना अर्थ लिखता है

जब भीतर की अनुभूतियाँ शब्द बनकर फूट पड़ती हैं और कल्पना समय की दीवारों को लाँघकर दूर-दूर तक अपनी छाया बिखेर देती है—तभी किस्सागोई का असली जादू आकार लेता है। 20 मार्च इसी अदृश्य, गहरे असर वाली परंपरा को समझने और महसूस करने का दिन बन जाता है। यह किसी औपचारिकता का क्षण नहीं, बल्कि उस अनकही विरासत का उजागर होना है, जो हर इंसान के भीतर चुपचाप साँस लेती है। हर व्यक्ति अपने अनुभवों का एक चलता-फिरता दस्तावेज़ है, जिसमें हँसी, पीड़ा, उम्मीद और संघर्ष की अनगिनत परतें दर्ज रहती हैं। किस्सागोई इन्हीं परतों को आवाज़ देती है, उन्हें अर्थ प्रदान करती है और उन्हें साझा करने का साहस भी जगाती है। यही वह कला है, जो मनुष्य को उसके एकांत से बाहर लाकर उसे साझा संवेदनाओं की गहराई से जोड़ देती है।

जब स्मृतियाँ खुलती हैं और नजर अतीत में उतरती है, तो साफ समझ आता है कि कहानियाँ कभी कागज़ों में बंद नहीं रहीं—वे दिलों में जन्मी और वहीं पली-बढ़ीं। कभी दादी की धीमी आवाज़ में आँगन से उठती हुई, तो कभी यात्राओं के साथ दूर तक फैलती हुई, उन्होंने पीढ़ियों को जोड़े रखा। इन कथाओं में केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन को समझने की गहरी सीख छिपी रहती थी—जीने, परखने और बदलने की। समय बदला, माध्यम बदले, पर कहानी की आत्मा हमेशा जीवित रही। आज भी जब कोई बुजुर्ग पुराना किस्सा सुनाता है, तो वह अतीत के साथ वर्तमान को भी रोशनी देता है। यही कारण है कि किस्सागोई पूरी मानवता की साझा विरासत बन जाती है।

जब कोई कहानी आकार लेती है, तो वह महज़ शब्दों की श्रृंखला नहीं रहती, बल्कि अनुभवों का पुनर्जन्म बन जाती है। कथावाचक अपने भावों को भाषा देता है और एक साधारण घटना भी श्रोता के भीतर नया संसार जगा देती है। इसलिए एक प्रभावी कथा सुनते समय हम केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उसका हिस्सा बन जाते हैं—दृश्य उभरते हैं, पात्र अपने लगते हैं और घटनाएँ स्मृतियों में बस जाती हैं। यही गुण कहानी को साधारण संवाद से अलग बनाता है; वह हमारी सीमित सोच को विस्तार देकर हमें दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ देती है।

जब समय की रफ्तार पर नजर जाती है, तो स्पष्ट दिखता है कि किस्सागोई ने अपना रूप बदल लिया है। अब कहानी सिर्फ सुनाई नहीं जाती, बल्कि देखी और महसूस भी की जाती है—डिजिटल माध्यमों के जरिए कई स्तरों पर। छोटी-सी प्रस्तुति भी उतनी ही गहराई से मन को छू सकती है, जितनी कभी लंबी कथा छूती थी। फिर भी, बदलते रूपों के बीच मानवीय जुड़ाव का मूल तत्व अडिग है। तकनीक ने विस्तार और गति दी है, पर संवेदना की गहराई जस की तस बनी हुई है। यही वजह है कि एक सशक्त कहानी आज भी मन को झकझोरकर सोच और दिशा दोनों बदल सकती है।

जब इतिहास के पन्ने खुलते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि कहानियाँ कभी मात्र समय बिताने का साधन नहीं रहीं—वे बदलाव की पहली चिंगारी भी रही हैं। किसी विचार को जब कथा का रूप मिलता है, तो वह सीधे दिलों तक पहुँचता है और लोगों के भीतर गहराई से जगह बना लेता है। एक साधारण घटना भी जब कहानी बनती है, तो वह समाज के सामने एक ऐसा दर्पण रख देती है, जिसमें लोग अपनी कमियाँ भी देख पाते हैं और अपनी संभावनाएँ भी। यही कारण है कि कई बार एक कहानी किसी बड़े परिवर्तन की शुरुआत बन जाती है या किसी व्यक्ति को अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने का साहस दे देती है। यह असर किसी आदेश या उपदेश से कहीं अधिक गहरा होता है, क्योंकि कहानी मन और भावनाओं के बीच सीधे संवाद स्थापित करती है।

जब हम इस दिन के संदर्भ में स्वयं को देखते हैं, तो एक सवाल भीतर उभरता है—हम अपनी कहानियों के साथ क्या कर रहे हैं? क्या हम उन्हें चुपचाप भीतर दबाकर रखते हैं, या उन्हें साझा कर किसी और के जीवन को छूने की कोशिश करते हैं? हर व्यक्ति के पास कुछ ऐसा जरूर होता है, जो किसी के लिए सीख बन सकता है, किसी के लिए प्रेरणा या किसी के चेहरे पर एक हल्की-सी मुस्कान ला सकता है। इस दिन का सार तभी समझ में आता है, जब हम अपने संकोच को पीछे छोड़कर अपने अनुभवों को अभिव्यक्ति देते हैं। यह अभिव्यक्ति चाहे किसी मंच पर हो, किसी आत्मीय बातचीत में या शब्दों में दर्ज होकर—हर रूप में अपने आप में मूल्यवान होती है।

जब सीमाएँ धुंधली पड़ती हैं और मन एक-दूसरे से जुड़ने लगते हैं, तब किस्सागोई अपना असली रूप दिखाती है। यह वह सेतु है, जो समय, संस्कृतियों और व्यक्तित्वों के बीच की दूरियों को सहजता से पाट देता है। यह हमें एहसास कराती है कि भले ही हमारे रास्ते अलग हों, हमारी संवेदनाएँ कहीं न कहीं एक ही धागे से बंधी हैं। एक कहानी कहना या सुनना, दरअसल एक ऐसी साझा यात्रा पर निकलना है, जहाँ हम अपने भीतर के अंधेरों को पहचानते हुए उजाले की ओर बढ़ते हैं। 20 मार्च हमें यह याद दिलाता है कि हमारी आवाज़ में भी वह सामर्थ्य है, जो किसी के जीवन में बदलाव ला सकती है। इसलिए अपने शब्दों को थामिए, उन्हें अर्थ दीजिए और अपने किस्सों को खुलकर जीने दीजिए—क्योंकि हर कहानी में कहीं न कहीं किसी और की अधूरी कहानी को पूरा करने की ताकत छिपी होती है।

कृति आरके जैन

संपादकीय

डिजिटल आराम, मानसिक तनाव- कहाँ फंस गया इंसान?

[जितनी सुविधाएं, उतनी उलझनें—आधुनिक जीवन का सच]

[सुविधाओं का जाल: आसान जीवन क्यों मुश्किल बनता जा रहा है?]

आज के युग में हर तरफ सुविधाओं का बोलबाला है। एक क्लिक में खाना, कपड़े, मनोरंजन सब घर बैठे मिल जाता है। स्मार्टफोन, ऐप्स और इंटरनेट ने जीवन को इतना सरल बना दिया है कि लगता है जैसे पुरानी मुश्किलें हमेशा के लिए गायब हो गई। लेकिन क्या सचमुच जीवन आसान हो गया है? या यही सुविधाएं एक जाल बनकर हमें उलझा रही हैं? जहां पहले लोग खुद मेहनत करके काम करते थे वहां आज मशीनें और सेवाएं सब संभाल रही हैं। फिर भी तनाव, चिंता और असंतोष बढ़ता जा रहा है। यह विरोधाभास इसलिए है क्योंकि सुविधाएं हमें आराम देती हैं लेकिन साथ ही हमारी स्वतंत्रता, स्वास्थ्य और रिश्तों को चुरा लेती हैं। वास्तव में यह जाल इतना मजबूत है कि निकलना मुश्किल हो गया है। हम सुविधाओं के गुलाम बन चुके हैं और यही वजह है कि आसान जीवन मुश्किल से भी ज्यादा बोझिल लगने लगा है। तकनीक ने हमारे जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव जैसे शब्द का अस्तित्व ही खत्म हो गया है। सुबह उठते ही मोबाइल की स्क्रीन पर नजर डालना और रात को उसी रोशनी में सो जाना अब दिनचर्या बन चुका है। पहले जहां लोग बाजार जाकर सामान खरीदते थे, वहीं अब हर चीज घर के दरवाजे तक पहुंच जाती है। इस बदलाव ने मेहनत को कम जरूर किया है, लेकिन शारीरिक सक्रियता भी लगभग समाप्त कर दी है। नतीजा मोटापा, कमजोर इम्यूनिटी और बीमारियां। इसके साथ ही, लगातार आने वाली सूचनाओं ने हमारे दिमाग को इतना व्यस्त कर दिया है कि हम शांत होकर सोचने की क्षमता खोते जा रहे हैं। हर निर्णय के लिए तकनीक पर निर्भरता हमें आत्मनिर्भर बनाने के बजाय और अधिक असहाय बना रही है। मानसिक स्वास्थ्य के स्तर पर यह समस्या और भी गंभीर रूप ले चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया ने तुलना की ऐसी आदत पैदा कर दी है, जिससे हम हर समय खुद को दूसरों से कमतर आंकने लगते हैं। 'कुछ छूट न जाए' का डर हमें लगातार स्क्रीन से जोड़े रखता है। पहले जहां मनोरंजन का अर्थ किताबें पढ़ना या दोस्तों के साथ समय बिताना था, वहीं अब अंतहीन स्क्रॉलिंग ही खुशी का माध्यम बन गई है। यह आदत नींद खराब करती है, एकाग्रता घटाती है और अवसाद बढ़ाती है। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा प्रभावित है क्योंकि वे बचपन से ही इस जाल में फंसे हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि सुविधाओं पर निर्भरता बढ़ने से आत्मसम्मान कम होता है और रिश्ते टूटते जा रहे हैं। तात्कालिक सुख देने वाली ये सुविधाएं दीर्घकालिक शांति को छीन रही हैं, जिससे जीवन का संतुलन बिगड़ता जा रहा है।

सामाजिक संबंधों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। पहले पड़ोसियों से बातचीत, परिवार के साथ समय बिताना और सच्चे मिलन जीवन का हिस्सा थे। आज वही रिश्ते मोबाइल स्क्रीन में सिमट गए हैं। हम हजारों लोगों से ऑनलाइन जुड़े हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ता जा रहा है। बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद कम हो गया है क्योंकि हर कोई अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त है। भावनाओं का आदान-प्रदान अब इमोजी तक सीमित रह गया है। इस दूरी ने रिश्तों की गहराई को कमजोर कर दिया है और एक अदृश्य अकेलेपन को जन्म दिया है, जो धीरे-धीरे मानसिक तनाव का कारण बन रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी सुविधाओं का यह विस्तार हमें भारी पड़ रहा है। हर सुविधा की एक कीमत होती है—चाहे वह सब्सक्रिप्शन हो, डिलीवरी चार्ज हो या लगातार अपग्रेड्स की जरूरत। छोटे-छोटे खर्च मिलकर एक बड़ा आर्थिक बोझ बन जाते हैं। पहले जहां घर का खाना सस्ता और पौष्टिक होता था, वहीं अब बाहर का खाना महंगा और अक्सर अस्वास्थ्यकर होता है। नौकरी में भी सुविधाएं बढ़ने से प्रतिस्पर्धा इतनी तेज हो गई है कि आराम का समय खत्म हो गया है। सुविधाओं की आदत हमें ऐसी जीवनशैली की ओर ले जाती है, जहां बिना इनके रहना कठिन लगता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय का बड़ा हिस्सा इन्हीं पर खर्च करने लगते हैं, जिससे आर्थिक असुरक्षा और तनाव बढ़ता है।

पर्यावरण के संदर्भ में यह समस्या और भी व्यापक हो जाती है। हर सुविधा के पीछे संसाधनों की खपत और प्रदूषण की एक लंबी कहानी छिपी होती है। ऑनलाइन ऑर्डर के साथ आने वाली प्लास्टिक पैकेजिंग, तेज डिलीवरी के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहन और बढ़ती ऊर्जा खपत ने प्रकृति पर भारी दबाव डाला है। हम अपनी सुविधा के लिए जिन संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, उनकी भरपाई प्रकृति के लिए संभव नहीं हो पा रही है। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक असंतुलन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आज का आराम भविष्य की पीढ़ियों के लिए संकट बनता जा रहा है।

हालांकि इस स्थिति से बाहर निकलना असंभव नहीं है, लेकिन इसके लिए जागरूकता और संतुलन जरूरी है। हमें यह समझना होगा कि सुविधाएं हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, न कि हमें नियंत्रित करने के लिए। समय-समय पर डिजिटल दुनिया से दूरी बनाना, खुद छोटे-छोटे काम करना और वास्तविक जीवन के रिश्तों को महत्व देना जरूरी है। यदि हम तकनीक को एक साधन के रूप में उपयोग करें और उसे अपने जीवन का केंद्र न बनने दें, तो हम इस जाल से काफी हद तक मुक्त हो सकते हैं। संतुलित जीवनशैली ही वह रास्ता है, जो हमें सच्चे सुख और संतोष की ओर ले जा सकता है। यह स्पष्ट है कि सुविधाओं का संसार जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही जटिल भी है। यह हमें तात्कालिक आराम जरूर देता है, लेकिन धीरे-धीरे हमारी स्वतंत्रता, स्वास्थ्य और रिश्तों को कमजोर कर देता है। अगर हम समय रहते इस विरोधाभास को नहीं समझ पाए, तो आसान दिखने वाला जीवन और भी कठिन होता जाएगा। इसलिए अब समय है कि हम ठहरकर सोचें, अपनी प्राथमिकताओं को समझें और सुविधाओं के इस जाल से खुद को संतुलित तरीके से बाहर निकालने का प्रयास करें—तभी जीवन वास्तव में आसान और सार्थक बन सकेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

सावधान! सोशल मीडिया तबाह कर रहा है बचपन

हाल ही में बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का उल्लेख राज्यसभा में किया गया। राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने आंकड़े पेश करते हुए बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी। आज इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है। स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है। भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक-तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता-पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ-साथ एकाग्रता में कमी आ रही है। सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि अक्सर बच्चों को व्यस्त रखने या उनका ध्यान भटकाने के नाम पर बहुत कम उम्र में ही उनके हाथों में टैबलेट और मोबाइल फोन दे देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत के लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ-साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई। आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है। हाल ही में इंडोनेशिया ने भी किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई है और ऐसा करने वाला वह एशिया का पहला देश बन गया है। स्पेन और जर्मनी भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति 'इमैनुएल मैक्रों' का कहना है कि 'हमारे बच्चों के दिमाग बिकाऊ नहीं हैं। बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत को उन कम्पनियों के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता जिनका उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना है।' 'डेनमार्क' की प्रधानमंत्री 'मेटे फ्रेडिरकसन' ने भी कहा है कि, 'हमने एक राक्षस को जन्म दिया है जो बच्चों से उनका बचपन छीन रहा है।'

वहीं स्वीडन के कोरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ यह स्टडी की. स्टडी के दौरान रिसर्चर ने देखा कि बच्चे कितने समय तक अलग-अलग डिजिटल एक्टिविटी करते हैं. स्टडी में भाग लेने वाले बच्चों ने एवरेज 2.3 घंटे टीवी या ऑनलाइन वीडियो देखे, 1.4 घंटे तक सोशल मीडिया यूज किया और 1.5 घंटे तक वीडियो गेम्स खेलें. इन सारी एक्टिविटीज में से केवल सोशल मीडिया के यूज के कारण उन्हें अटेंशन से जुड़ी दिक्कतें आई. शोधार्थी का कहना है कि सोशल मीडिया के कारण बच्चों की ध्यान क्षमता कम हो रही है. भारत में पहले से ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचा मौजूद है, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अभिभावकों की सत्यापित सहमति जैसे प्रावधान हैं। लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर सोशल मीडिया कंपनियों को और अधिक जवाबदेह बनाना होगा। बता दें कि पिछले कुछ समय से भारत में नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील और हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री देख कर बलात्कार जैसी वारदातें करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं

23 अक्तूबर, 2025 को 'जोधपुर' (राजस्थान) में 3 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के मोबाइल की जांच करने से पता चला कि उसने वारदात करने से पहले 15-20 अश्लील वीडियो देखे थे। 6 फरवरी, 2026 को 'बदायूं' (उत्तर प्रदेश) के 'दातागंज' में 8 और 14 साल की उम्र के 2 लड़कों को मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद एक 6 साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।13 फरवरी, 2026 को 'रीवा' (मध्य प्रदेश) में कुरकुरे दिलवाने के बहाने अपनी 6 वर्षीय बहन से बलात्कार करने के आरोप में एक 14 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया।7 मार्च, 2026 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में जंगल में चारा लेने गई चौथी क्लास की छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने के आदी 2 लड़के बेर देने अपने साथ ले गए और उससे बलात्कार कर डाला। दोनों लड़कों को पुलिस ने पकड़ लिया है।इस तरह की घटनाओं को देखते हुए 6 मार्च, 2026 को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सरकारों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा कदम उठाने वाले ये देश के पहले 2 राज्य बन गए हैं। आंध्र व कर्नाटक सरकारों द्वारा उक्त प्रतिबंध लगाने से बच्चों के चारित्रिक पतन को किसी सीमा तक रोकने में सहायता मिलेगी। सरकार की ओरसे करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे. इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था. अब तक 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यूब, किक और रेडिट शामिल हैं. ऐसे में बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए यह कदम बहुत ही सराहनीय है.अतः सभी राज्यों में इस तरह के कानून को तुरंत सख्तीपूर्वक लागू करने और उस पर अमल सुनिश्चित करवाने की जरूरत है, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

नामित सभासद बनाए जाने पर लोगों ने दी बधाईयां

डलमऊ रायबरेली। उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2 सन् 1916) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा नगर पंचायत डलमऊ के लिए तीन सदस्यों को सभासद के लिए नामित किया है। नगर पंचायत डलमऊ में तीन सभासदो के नामित होने पर क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जाहिर की है। डलमऊ नगर पंचायत के लिए पवन जयसवाल, अभिषेक द्विवेदी(बॉबी पंडित),शिव प्रसाद साहू को सभासद के लिए नामित किया गया है। राज्यपाल द्वारा नामित सभासदो की सूची आने के पश्चात क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वही बधाई देने वालों मे नगर पंचायत अध्यक्ष पंडित बृजेश दत्त गौड़ चेयरमैन प्रतिनिधि शुभम गौड़, मनोज पाण्डेय, भाजपा नेता दिनेश त्रिपाठी, रवि पाल,मनमोहन यादव, राकेश शर्मा, सुशील यादव,सत्येंद्र जयसवाल,प्रिंशू जायसवाल, नीरज जयसवाल, राजन जयसवाल, जितेंद्र सोनकर, मनोज सोनकर, बृजेंद्र,सुधीर जयसवाल, सतीश जयसवाल, सहित अनेक लोगों ने बधाई दी।

लखनऊ में ईद-उल-फित्र की नमाज को लेकर व्यापक यातायात डायवर्जन

●20-21 मार्च को सुबह 6 बजे से नमाज समाप्ति तक रहेगी व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने ईद-उल-फित्र के अवसर पर शहर में बड़े पैमाने पर यातायात डायवर्जन की घोषणा की है। चांद दिखने के अनुसार इन तारीखों को विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की जाएगी। नमाजियों की भारी भीड़ और यातायात सुगम रखने के लिए सुबह 6:00 बजे से नमाज समाप्त होने तक कई प्रमुख मार्गों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार, डायवर्जन की विस्तृत सूची जारी की गई है। मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:-

सीतापुर रोड की तरफ से डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग तिराहे की ओर कोई भी यातायात पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेगा। इसके बजाय डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज से बांये मुड़कर चौराहा नंबर 8, निरालानगर या आई0टी0 की ओर जाना होगा।

पक्का पुल खदरा साइड तिराहे से सामान्य यातायात पक्का पुल (टीले वाली मस्जिद) की ओर नहीं जा सकेगा। वैकल्पिक मार्ग: पक्का पुल से पहले तिराहे से बंधा रोड या नया पक्का पुल होकर गंतव्य।

हरदोई रोड/बालागंज से आने वाले बड़े वाहन/रोडवेज सिटी बस बड़ी इमामबाड़ा या टीले वाली मस्जिद की तरफ नहीं जा सकेंगे। वैकल्पिक: कोनेर चौराहे से दाहिने चोक चौराहा, मेडिकल कॉलेज चौराहा होकर गंतव्य।

कोनेर चौराहे से घंटाघर होकर बड़ा इमामबाड़ा की तरफ सामान्य यातायात प्रतिबंधित। वैकल्पिक मार्ग: कोनेर चौराहे से चोक चौराहा, मेडिकल क्रास (कमला नेहरू), शाहमीना तिराहा, नींबू पार्क (रूमीगेट पुलिस चौकी), नया पुल आदि।

नींबू पार्क (रूमीगेट) चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा या टीले वाली मस्जिद की ओर यातायात नहीं। वैकल्पिक: कोनेर चौराहा या नींबू पार्क के पीछे नया पुल।

शाहमीना तिराहे से पक्का पुल टीले वाली मस्जिद की ओर प्रतिबंध। वैकल्पिक: मेडिकल कॉलेज, डालीगंज पुल, आई0टी0 होकर।

डालीगंज पुल से सीतापुर रोड की ओर रोडवेज बस, जीप, कार, स्कूटर, मोटर साइकिल पक्का पुल की ओर नहीं जा सकेंगे। वैकल्पिक: आई0टी0 चौराहा, कपूर्थला, पुरुनिया होकर।

पुराने शहर के अन्य प्रमुख इलाकों जैसे एशबाग, ईदगाह, रकाबगंज पुल, नाका, याहियागंज, लाल माधव (हैदरगंज), बाबूलाल हलवाई, राजेंद्र नगर चौराहा, मोतीनगर, गूगा-बहरा, एसएपी मिश्रा द्वार तिराहा, मोतीझील कॉलोनी, अनजुमन चौराहा आदि पर भी सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन इलाकों में नमाज में शामिल होने वाले वाहनों को छोड़कर सामान्य यातायात को वैकल्पिक मार्गों (मेडिकल कॉलेज, चोक चौराहा, नाका, मोतीनगर आदि) से मोड़ दिया जाएगा। सामान्य यातायात के अतिरिक्त आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस, स्कूली वाहन, फायर सर्विस, शव वाहन आदि को ट्रैफिक पुलिस/स्थानीय पुलिस की अनुमति से प्रतिबंधित मार्गों पर जाने की छूट रहेगी।

यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे डायवर्जन का सम्मान करें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचें। किसी भी समस्या या आपात स्थिति में ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस ने कहा कि यह व्यवस्था नमाजियों की सुविधा और पूरे शहर में यातायात सुचारू रखने के लिए बनाई गई है। सभी से सहयोग की अपील की गई है ताकि ईद का त्योहार शांति और खुशी से मनाया जा सके।

सड़क किनारे खड़ी बुलेट चोरी, रेलवे कर्मचारी के उड़े होश

लालगंज (रायबरेली)- कोतवाली क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के पास बुधवार देर शाम सड़क किनारे खड़ी एक बुलेट बाइक चोरी हो गई। बाइक एक रेलवे कर्मचारी की थी, जो पंचर होने के कारण वहां खड़ी की गई थी। पूरे मकरहन मजरे ऐहार गांव निवासी विनोद कुमार पाल ने बताया कि वह रेलवे में कार्यरत हैं। बुधवार शाम करीब 8 बजे वह तकिया स्टेशन ड्यूटी के लिए जा रहे थे। रास्ते में मुबारकपुर गांव के पास उनकी बुलेट बाइक पंचर हो गई। विनोद ने बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी और करीब 500 मीटर दूर मिस्त्री बुलाने चले गए। करीब दस मिनट बाद जब वह मिस्त्री के साथ लौटे तो बाइक मौके से गायब थी। यह देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में लिया गया है और जांच जारी है।

जयकारों से गूंजे देवी मंदिर, नवरात्र के प्रथम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर- चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह होते ही 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिरों की घंटियां, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन से क्षेत्र गुंजायमान रहा। स्थानीय शीतला देवी मंदिर, कालिका देवी मंदिर, अमरनगर देवी मंदिर तथा निकटवर्ती ग्राम मिर्जापुर स्थित देवी मंदिरों में प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालु हाथों में पूजन सामग्री, नारियल, चुनरी और प्रसाद लेकर माता के दर्शन के लिए उत्साहपूर्वक पहुंचते रहे। भक्तों ने व्रत रखकर विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी झालरों, फूल-मालाओं और रोशनी से मंदिरों की छटा देखते ही बन रही थी। महिलाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिलीद्य युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला, जिससे माहौल और भी जीवंत हो गया। मंदिरों में दर्शन-पूजन का सिलसिला चलता रहा और शाम को आरती के समय श्रद्धालुओं की संख्या और भी बढ़ गई।

श्री अन्न के उत्पाद तैयार कर आत्मनिर्भर बने महिलाएं - कुलपति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुमारगंज [अयोध्या]। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में चल रहे छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। 'मोटे अनाजों पर आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण' विषय पर महिलाओं को जानकारी दी गई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. साधना सिंह ने समस्त अतिथियों को बुके भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ एवं बीमारियों से बचाव के लिए सभी को श्रीअनून का प्रयोग करना चाहिए। सामुदायिक महाविद्यालय में श्रीअन्न से जुड़े उत्पाद बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिष्ठाता डा. साधना सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के पहले दिन मोटे अनाजों से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने, मिलेट, पास्ता बनाने की विधि, पोषण महत्व तथा इसके माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं एवं किशोरियों को मोटे अनाजों से बने पास्ता, नूडल्स, बेकरी उत्पाद जैसे- बिस्किट, केक, तथा इडली, फरा, प्रिमिक्स आदि व्यंजन बनाना सिखाया गया। महिलाओं को व्यवसाय हेतु सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा विवि परिसर का भ्रमण भी कराया गया। शिवनाथपुर, पिठला,बवा तथा कुमारगंज की कुल 40 महिलाओं एवं किशोरियों ने प्रतिभाग किया। कुलपति ने प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। डा. अनीशा वर्मा ने समस्त अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ तृप्ति वर्मा ने किया। इस मौके पर समस्त अधिष्ठाता, निदेशक एवं वैज्ञानिक मौजूद रहे।

आवरण और आचरण स्वच्छ हो तो ही पर्यावरण भी होगा स्वच्छ: डॉ. महादेव सिंह

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आलमपुर गांव में बृहस्पतिवार को बैसवारा इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का विशेष शिविर आयोजित हुआ।शिविर में पर्यावरण संरक्षण पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रख्यात पर्यावरणविद डॉ. महादेव सिंह ने स्वयंसेवकों को जागरूक किया। डॉ. महादेव सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल बाहर नहीं, बल्कि आचरण में भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आवरण स्वच्छ हो, आचरण स्वच्छ हो, जागरण हो तो पर्यावरण स्वच्छ हो। उनके इस संदेश ने छात्रों को सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को जल, जंगल और जमीन के महत्व के बारे में समझाया। कहा कि पेड़ धरती के आभूषण हैं। ये प्रदूषण को दूर करते हैं और जीवन को सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उन्हें बचाने का संकल्प दिलाया।कार्यक्रम अधिकारी बीरेन्द्र शुक्ल के नेतृत्व में छात्रों ने ग्रीन इंडिया, क्लीन इंडिया का नारा लगाया। रैली के जरिए आसपास के लोगों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। गोष्ठी का संचालन छात्रा श्रेया ने किया। कार्यक्रम के दौरान किरन और शानू ने लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर आदेश, सीमा, मानवी, दिव्यांशी, अनमोल प्रियांशु सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार के नौ निर्माण के नव वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कृषि संगोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर - मार्स ऑडिटोरियम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कृषि संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। चंद्रभान गुप्त कृषि महाविद्यालय के कृषि विशेषज्ञ डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किसानों को समसामयिक खेती-बाड़ी पर चर्चा की बताया कि अब समय मीठे फलों की खेती करने का है इससे किसान अच्छी आमदनी ले सकते हैं। आम की फसल पर जहरीले रसायनों के प्रयोग को रोकने की सलाह दी। उद्यान अधिकारी दिनेश सिंह ने उद्यान से मिलने वाले सब्सिडी के बारे में बताया। उप निदेशक पशुपालन डॉक्टर के के चौहान ने पशुपालन विभाग से किसानों को दी जाने वाली योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक ए के दुबे ने मशरूम की खेती तथा गन्ने से बनने वाले उत्पाद पर चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमरीश पुष्कर विधायक मोहनलाल गंज ने किसानों को उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां बताई तथा कृषि क्षेत्र में उद्गम स्थापित करने के लिए अनुदान राशि वितरित की। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सरोजिनी नगर अखिलेश कुमार सिंह, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ सुधाकर सिंह, कृषि निदेशक विनय कौशल जी, जिला कृषि अधिकारी लखनऊ तेग बहादुर सिंह निदेशक पशुपालन डॉक्टर के के चौहान साहब, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एस के वर्मा जी पौध सुरक्षा अधिकारी महेश चंद्र, भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार, कन्नौज के प्रगतिशील आलू किसान निखिल प्रताप सिंह एवं राजधानी के सभी ब्लॉकों के लगभग 600 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। मंच का संचालन डॉ अलका निवेदन ने किया।

काकोरी थाना क्षेत्र में देर रात लूट की सनसनीखेज वारदात, युवक घायल, मोटरसाइकिल और मोबाइल लूटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोला कुआं के पास बीती रात एक युवक के साथ लूट की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। पीड़ित युवक की पहचान सुमित तिवारी के रूप में हुई है, जो रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अटेर गांव का निवासी है। सुमित गोमती नगर में एक परचून की दुकान पर काम करता है।जानकारी के अनुसार, सुमित तिवारी रात करीब सवा नौ बजे गोमती नगर से अपनी मोटरसाइकिल (नंबर U P32 D T 6754) पर अटेर गांव के लिए निकला था। रात करीब सवा दस से साढ़े दस बजे के बीच गोला कुआं के पास अज्ञात बदमाशों ने उसे रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चार बदमाश एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे। उन्होंने सुमित पर हमला कर लूटपाट की और विरोध करने पर उसकी जमकर मारपीट की।इस दौरान बदमाशों ने सुमित की मोटरसाइकिल और उसका पोको मोबाइल फोन लूट लिया। मारपीट के कारण युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर से खून बहने लगा। घटना के बाद बदमाश फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सुमित को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों में बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर छापेमारी तेज कर दी है।ऐसी घटनाएं इलाके में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और रात में अकेले यात्रा करने से बचने की अपील की है। मामले की आगे की जांच जारी है।

ऊषा गौतम ने बछरावां ही नहीं पूरे जिले का नाम रोशन किया -श्याम सुंदर भारती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली- कठिन परिस्थितियों में पली-बढ़ी और शारीरिक चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने वाली बछरावां क्षेत्र की बेटी ऊषा गौतम ने अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर एक नई मिसाल कायम की है। एक पैर न होने के बावजूद ऊषा ने जीवन से हार नहीं मानी और अपने सपनों को साकार करते हुए सातवीं राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल बछरावां क्षेत्र बल्कि पूरे रायबरेली जनपद का नाम रोशन हुआ है। आपको बता दें कि, ऊषा गौतम की इस सफलता की खबर मिलते ही क्षेत्रीय समाजवादी पार्टी के विधायक श्याम सुंदर भारती अपने समर्थकों के साथ उनके पैतृक गांव रघुनाथखेड़ा मजरे रैन पहुंचे। वहां उन्होंने ऊषा को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। विधायक ने इस अवसर पर ऊषा के जज्बे और संघर्ष की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक श्याम सुंदर भारती का बयानः 'ऊषा गौतम ने यह साबित कर दिया है कि यदि इंसान के अंदर कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो कोई भी बाधा उसे रोक नहीं सकती। एक पैर न होने के बावजूद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीतकर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। यह उपलब्धि अन्य बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। समाजवादी पार्टी और मैं व्यक्तिगत रूप से उनके साथ खड़े हैं और उनके खेल जीवन को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। ' इस दौरान प्रदेश सचिव (पिछड़ा वर्ग) हरीश चौरसिया, लोहिया वाहिनी के विधानसभा अध्यक्ष आशीष पटेल, जिला सचिव आफताब आलम, ग्राम प्रधान राम सजीवन यादव, कुलदीप यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने ऊषा गौतम की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अर्पित ने आईआईटी में छियासवीं रैंक की सफलता का लहराया परचम, खुशी का माहौल

लालगंज,प्रतापगढ़। आईआईटी जेएएम में मेधावी की सफलता पर गुरूवार को ननिहाल में खुशी का माहौल देखा गया। रायबरेली जिले के हटका उमरन निवासी अर्पित शुक्ला दिल्ली में पढ़ाई कर रहे हैं। अर्पित का लालगंज के दीवानी वार्ड में ननिहाल है। आईआईटी 2026 के परिणाम में अर्पित को ऑल इण्डिया स्तर पर 86वीं रैंक पर सफलता मिली है। मेधावी की सफलता पर परिजनों के साथ यहां उसके ननिहाल में भी खुशी का माहौल दिखा। मां वंदना,मामा एवं लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश को लोगों ने अर्पित की सफलता पर शुभकामनाएं सौंपी। मेधावी की सफलता पर आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, वरिष्ठ अधिवक्ता राममिलन शुक्ल, अधिवक्ता राकेश त्रिपाठी आदि ने अर्पित की सफलता को गौरवपूर्ण उपलब्धि कहा है।

सामूहिक दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़।थाना प्रभारी कोतवाली पट्टी आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 अनीश कुमार यादव मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ से संबंधित वांछित अभियुक्त अजीत कुमार सिंह उर्फ अजीत सिंह पुत्र तहसीलदार सिंह निवासी हर्राजपुर कला, बसैट थाना किशनी जनपद मैनपुरी को क्षेत्रान्तर्गत रेलवे स्टेशन जनपद मैनपुरी से गिरफ्तार किया गया। अजीत के विरुद्ध सामूहिक रूप से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज है।

नाम परिवर्तन की फाइल एक साल सी लटकी, पीड़ित लगा रहा नगर पालिका के चक्कर पे चक्कर, जिम्मेदार अधिकारी बने अंजान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां - सीतापुर नियम कहते हैं कि संपत्ति नामांतरण 15 से 30 दिन में पूरा हो जाना चाहिए। लेकिन बिसवां नगर पालिका में एक विधवा महिला की फाइल करीब एक साल से अटकी है। योगी सरकार की जीरो टालरेंस निति से बेखौफ बिसवां नगरपालिका में तैनात भ्रष्ट कर्मचारी अपनी मनमानी पर उतारू हैं। जिससे एक विधवा महिला दर दर की ठोकरे खाने को मजबूर है।जो काम अधिकतम 90 दिनों में हो जाना चाहिए था।वह काम एक वर्ष की समय सीमा और हजारों खर्च के बाद भी पूरा नही किया गया आखिर क्यों ? पीड़ित अय्यूब खान अपनी शिकायत मुख्यमंत्री को भेज कर यह आरोप लगाया है कि उसने सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा कर दिए थे, इसके बावजूद उसकी फाइल बार-बार किसी न किसी बहाने से आगे नहीं बढ़ाई जा रही है। कभी दस्तावेजों की जांच का हवाला दिया जाता है तो कभी संबंधित अधिकारी के अनुपस्थित होने का कारण बताकर उसे टाल दिया जाता है। पीड़ित का कहना है कि उसके द्वारा कई बार नगर पालिका के चक्कर लगाये जा चुके है, लेकिन हर बार उसे सिर्फ आश्वासन ही मिला है। एक साल बीत जाने के बाद भी नामांतरण की प्रक्रिया पूरी न होना, नगर पालिका की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।तथा पटल के कर्मचारियों को कटघरे में खड़ा करता हैं। एक तरफ तो प्रदेश की योगी सरकार द्वारा दाखिल खारिज प्रक्रिया को समय सीमा से पहले पूर्ण करने के आदेश निर्देश दिए जाते रहते हैं वहीं दूसरी ओर नगरपालिका परिषद बिसवां में जिम्मेदारों के भ्रष्टाचार के कारण न सिर्फ नामांतरण के लिए सुविधा शुल्क के नाम पर हजारों रूपये लिए जा रहे हैं। बल्कि एक वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद भी घोर लापरवाही दिखाते हुए नामान्तरण प्रक्रिया पूर्ण नही की जा सकी है। इतना ही नही एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा पीड़ित की सम्पत्ति को राजकीय संपत्ति घोषित करने की धमकी तक दे दी जाती है।यह अपने आप में बड़ा सवाल है कि एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को किस अधिकार से पीड़ित से यह कहने का हौसला मिला कि तुम्हारी संपत्ति को राजकीय सम्पत्ति घोषित कर दिया जायेगा। क्या मान लिया जाए कि नगरपालिका बिसवां में तैनात कर्मचारी अपनी दबंगई के बल पर किसी भी सम्पत्ति को राजकीय संपत्ति में तब्दील कर सकते हैं ? क्या एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से पटल के लिपिक का कार्य लिया जाना न्यायोचित है ? क्या नगरपालिका परिषद बिसवां में लिपिको का अकाल पड़ गया है। जो एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को टैक्स विभाग जैसे पटल का तथाकथित मुखिया बना दिया गया है ? सबसे बड़ा सवाल खबरों के प्रकाशन के बाद क्या जनपद के ईमानदार मुखिया जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 इस मामले को संज्ञान लेकर किसी प्रकार की नजीर पेश करने वाली कार्यवाही करेंगे ?

भागवत कथा के अंतिम दिन अमृतपान करने आये भारी तादात में श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम सभा ओथी में इन दिनों मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्त के वातावरण में संपन्न हो रहा है। यजमान आशीष मौर्य के निवास पर आयोजित इस पुण्य अनुष्ठान का संकल्प क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा निवासी आनंद मिश्रा द्वारा लिया गया है यह उनके द्वारा संकल्पित छठवीं श्रीमद्भागवत कथा है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कथा स्थल पर सप्तवेदी, गणेश,अंबिका, रूद्र हनुमत देव सहित विभिन्न देवताओं की विधिवत स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। आपको बता दें कि, बृहस्पतिवार को कथा के सातवें दिन सिधौना अमांवा से पधारी कथा व्यास संध्या जी ने प्रमुख रूप से भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता व ऊधौ गोपी संवाद कृष्ण रुक्मणी विवाह भगवान का स्वधामगमन परीक्षित मोक्ष जैसी कथाओं का व्याख्यान करते हुए कथा व्यास ने बताया कि, मित्रता कैसी हो यह हमें भगवान श्री कृष्ण तथा सुदामा की मित्रता से सीखना चाहिए, मित्र के प्रति ईमानदारी, त्याग, और सम्मान का भाव ही सच्ची मित्रता कहलाती है। कथा व्यास ने बताया कि, भगवान श्री कृष्ण ने ऊधौ जी को वृंदावन भेजा परंतु जब वहां पर ऊधो जी पहुंचे तो गोपियों के प्रेम में ऐसा डूबे कि वह भी प्रेम मय हो गए। और वह स्वयं ब्रज से नहीं आना चाहते थे भगवान कृष्ण ने माता रुक्मणी से विवाह किया। प्रभात क्षेत्र में जब कालांतरण में समय बीता भगवान ने पृथ्वी पर खूब शासन किया जब समय आया तो भगवान अपने स्वधाम को चले गए। कथा व्यास द्वारा विभिन्न प्रसंगों को सुनकर पांडाल में उपस्थित समस्त श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए।

कथा के विराम पश्चात आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया कथा स्थल पर पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। आयोजनकर्ता आनंद मिश्रा ने बताया कि, उनके द्वारा जीवनपर्यंत श्रीमद् भागवत कथा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन निरंतर बीच-बीच जारी रहेंगे जिससे समाज में धर्म संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार होता रहे। इस मौके पर यज्ञशाला के मुख्य यज्ञाचार्य पंडित योगेंद्र तिवारी, उपयज्ञाचार्य पंडित अमरेश शुक्ला, पंडित अरूण त्रिपाठी, व्यवस्थापक सोनू मौर्य, अवधेश मौर्य, रागेंद्र सिंह, ब्रजेंद्र सिंह, राकेश, संत प्रसाद, बबलू प्रजापति,दिनेश कोटेदार, मोनू कोटेदार, अनुज मौर्य, शिवकुमार, कन्हैया मौर्य, शंकर मौर्य, महेंद्र मौर्य, धुन्नू, मूसा मौर्य, बीरू सिंह, विशाल शर्मा, बी.यल.बावली, दीपांशू मौर्या सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गर्मी से पहले बिजली विभाग को किया अलर्ट

●मुख्यमंत्री के निर्देश पर निर्बाध आपूर्ति और ट्रिपिंग रोकने की तैयारी तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ — गर्मी की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग) की ओर से उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL) और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि गर्मी के मौसम में निर्धारित रोस्टर के अनुसार बिजली आपूर्ति बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाए। 10 मार्च को मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि गर्मी की तेजी से बढ़ रही मांग को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:-

1. गर्मी के मौसम में निर्धारित रोस्टर के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति की पूरी तैयारी कर ली जाए।

2. किसी भी प्रकार की ट्रिपिंग (बिजली कटौती) नहीं होनी चाहिए।

3. मुख्यमंत्री के स्तर पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें डिस्कॉम के समस्त अधिकारी भाग लेंगे।

4. उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड बैठक से पहले सभी तैयारियां सुनिश्चित करे।

5. खाड़ी युद्ध के संभावित प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रभाव की भी तैयारी बैठक में सुनिश्चित की जाए।

6. AT&C लॉस को कम करने, कलेक्शन बढ़ाने और कैश गैप को घटाने के लिए भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में गर्मी के दौरान बिजली की मांग अक्सर 32,000-33,000 मेगावाट तक पहुंच जाती है। पिछले वर्षों में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्मी से पहले बिजली विभाग को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इस बार भी सरकार ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है ताकि आम जनता को कोई परेशानी न हो। UPPCL और डिस्कॉम अधिकारियों को अब इन निर्देशों पर अमल करते हुए तुरंत समीक्षा बैठक आयोजित करने और सभी स्तरों पर तैयारियां पूरी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संक्षिप्त खबरें

जे पी एस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

रायबरेली- गुरबक्श गंजद्व स्थित सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वार्षिकोत्सव के भव्य आयोजन में विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला प्रबन्धक मोहित शुक्ला डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि के रूप में आए हुए वरिष्ठ समाजसेवी भगवती प्रसाद दीक्षित जी, बड़ौदा मैनेजर जितेंद्र पटेल जी, एस बी आई लाइफ से असिस्टेंट मैनेजर अजय प्रकाश सिंह जी , स्टेट बैंक ब्रांच मैनेजर, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ब्रांच मैनेजर, संजय बाजपेई जी आदि समस्त गणमान्य लोग उपस्थित थे। वर्ष 2025- 26 के पुरस्कार वितरण समारोह में प्लेग्रुप, नर्सरी, एलकेजी,यूकेजी के बच्चों ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया व डांस/म्यूजिक/कन्वर्सेशन/डिसिप्लिन/अटेंडेंस आदि अनेकों एकेडमिक क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय परिणाम हासिल किए। अभिभावकों द्वारा विद्यालय के प्रति अनेकों प्रशंसाएं की गई। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा सभी अभिभावकों व बच्चों को अनंत शुभकामनाएं दी गई व उज्जवल भविष्य की कामनाएं की। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि यह दिन बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों व विद्यालय परिवार के लिए बहुत ही हर्ष व गौरव का दिन है। उन्होंने सभी टॉप रैंकर्स व अन्य सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं अमिता,श्रेयांशी ,आस्था आकृति ,हर्षिता , सिमरन, दामिनी, रंजना, पायल, रेहा तथा अन्य समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई, उमड़ा आस्था का जनसैलाब

सिद्धार्थनगर । चैत्र नवरात्रि एवं भारतीय नववर्ष के पावन अवसर पर आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में श्री राम जानकी मंदिर परिसर से भिरंडा समय माता मंदिर तक भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई । भव्य कलश शोभायात्रा कार्यक्रम का नेतृत्व श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष नंदू प्रसाद गौड़ ने किया। शोभायात्रा में आदर्श नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पुरे क्षेत्र में भक्ति एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल व मंदिर समिति के अध्यक्ष नन्दू प्रसाद गौड ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा नगर की सुख-शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।इसी क्रम में शोहरतगढ़ के प्राचीन समय माता मंदिर में आयोजित मेले का विधिवत उद्घाटन एवं पूजन किया गया। इस अवसर पर श्याम जायसवाल, कमलेश गुप्ता, राजकुमार मोदनवाल, मनोज चौधरी, शिवरतन कनौजिया, मनीष श्रीवास्तव, राममिलन चौधरी,आनंद कसौधन, उमेश अग्रहरि उर्फ डब्लू , बबलू गौड़, अंकित गुप्ता, दिनेश कुमार, बैजनाथ, गौरव शर्मा सहित भारी संख्या में श्रीद्धालु उपस्थित रहे।

बारा में नए ACP ने संभाला कार्यभार

प्रयागराज। जनपद के बारा क्षेत्र में नए सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) के रूप में वेद व्यास मिश्रा ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पुलिसिंग को प्रभावी और जनहितकारी बनाने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ACP वेद व्यास मिश्रा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण पुलिस की जिम्मेदारी है। इसके लिए जनसुनवाई को नियमित और प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि लोगों को थाने स्तर पर ही न्याय मिल सके। साथ ही, पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें। इस अवसर पर क्षेत्र के स्थानीय पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया तथा उन्हें क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, अपराध प्रवृत्ति और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी। नए ACPने भरोसा दिलाया कि बारा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून का राज कायम रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी, और इसके लिए पुलिस पूरी तत्परता के साथ कार्य करेगी।

11 साल की होनहार छात्रा अंकिता ने मेहनत और लगन से हासिल की नवोदय विद्यालय में सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल/जयसिंहनगर - ग्राम कुदरी की होनहार छात्रा अंकिता देवी अहिरवार (उम्र 11 वर्ष) ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी सफलता हासिल की है। अंकिता का चयन वर्ष 2026 की जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में हुआ है। इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अंकिता वर्तमान में डी.पी. पब्लिक स्कूल, कुदरी की छात्रा हैं। उन्होंने प्रारंभ से ही पढ़ाई में विशेष रुचि दिखाई और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की। उनकी इसी लगन और समर्पण के परिणामस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

माता-पिता और शिक्षकों का सहयोग

अंकिता के पिता रामकृपाल अहिरवार एवं माता गीता अहिरवार ने अपनी बेटी की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है। अंकिता की इस सफलता में उनके शिक्षक चमबोर रैदास जी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिन्होंने उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और विशेष सहयोग प्रदान किया।

आजाद समाज पार्टी की ओर से बधाई

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आजाद समाज पार्टी जिला (कांशीराम) अध्यक्ष

कैलाश कुमार अहिरवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए अंकिता और उनके पूरे परिवार को ढेर सारी बधाइयां दी हैं।

जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार अहिरवार ने अपने संदेश में कहा

'बिटिया अंकिता की यह सफलता केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। एक छोटे से गांव से निकलकर अपनी प्रतिभा के दम पर नवोदय विद्यालय में स्थान बनाना अंकिता के उज्जवल भविष्य का संकेत है। मैं अंकिता के माता-पिता और उनके शिक्षकों को भी नमन करता हूँ जिन्होंने सही मार्गदर्शन देकर समाज की इस प्रतिभा को निखारा। मेरी ओर से अंकिता को बहुत-बहुत आशीर्वाद और उनके सुखद एवं स्वर्णिम भविष्य के लिए ढेरों मंगलकामनाएं। अंकिता इसी तरह आगे बढ़ें और समाज का नाम रोशन करें।

सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने दी बधाई और उज्ज्वल भविष्य की कामना की

ग्राम पंचायत कुदरी की सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने अंकिता की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए इसे पूरे गांव के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि अंकिता ने यह साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आती।

सरपंच श्रीमती चंद्रवती सिंह ने अपने ने कहा

अंकिता की सफलता ने हमारे ग्राम पंचायत का मान बढ़ाया है। एक ग्रामीण परिवेश से निकलकर नवोदय विद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्थान में जगह बनाना कड़ी मेहनत का प्रमाण है। मैं बिटिया अंकिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ और पंचायत की ओर से उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन देती हूँ। अंकिता जैसी बेटियाँ हमारे समाज की असली शक्ति हैं, जो अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। मैं उनके माता-पिता और गुरुजनों को भी इस गौरवशाली उपलब्धि पर हृदय से बधाई देती हूँ।

भविष्य के लक्ष्य

अंकिता का कहना है कि अब उनका अगला लक्ष्य नवोदय विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है। वह विज्ञान, गणित और अंग्रेजी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं ताकि भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और उन बच्चों के लिए प्रेरणा बन सकें जो बड़े सपने देखते हैं।

पीस कमेटी की बैठक संपन्न

सिद्धार्थनगर- पुलिस चौकी बिजौरा के परिसर में पीस कमेटी की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई, बैठक थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय के अगुवाई में हुई। ईदुल फितर व चैत्र नवरात्रि को देखते हुए पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई । पीस कमेटी की बैठक में क्षेत्र में अमन - चमन को लेकर त्यौहार मनाए आपसी सौहार्द भाई चारा गंगा जमुनी तहजीब बना कर त्यौहार मनाये। जिससे अच्छा सन्देश जाए । बैठक में थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय, चौकी इंचार्ज बिजौरा जय प्रकाश, क्षेत्र के ग्राम प्रधान पूर्व प्रधान, व गजेन्द्र शुक्ला, अमित पाण्डेय, आदि लोग मौजूद रहे।

बलिया में TET अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का अभियान, राष्ट्रपति-P M को भेजे पोस्टकार्ड और ईमेल

● 'शिक्षक की पाती' कार्यक्रम के तहत 9 से 22 मार्च तक चला विरोध, पुराने शिक्षकों को राहत देने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- जनपद में टीईटी (TET) अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने व्यापक अभियान चलाया। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ (A.I.J.T.F.) के आह्वान पर बांसडीह ब्लॉक इकाई के शिक्षकों ने 'शिक्षक की पाती' कार्यक्रम के तहत अपनी आवाज बुलंद की। 9 से 22 मार्च तक चले इस अभियान के दौरान शिक्षकों ने देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेताओं सहित कई गणमान्य प्रतिनिधियों को पोस्टकार्ड और ईमेल भेजकर अपनी मांगें रखीं। शिक्षकों का कहना है कि आरटीई (RTE) अधिनियम लागू होने से पहले

नियुक्त और टीईटी से छूट प्राप्त शिक्षकों के लिए 1 सितंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी अनिवार्य करने का आदेश पूर्व की भर्ती प्रक्रिया और नियमों के विपरीत है। इस मौके पर विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष घनश्याम चौबे ने कहा कि यह लड़ाई शिक्षकों के अस्तित्व से जुड़ी है और इसे हर स्तर पर मिलकर लड़ना होगा। वहीं अटेवा के जिला महामंत्री राकेश मौर्य ने भी शिक्षकों से एकजुट रहने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की चुप्पी से वर्ष 2011 से पहले नियुक्त लाखों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य अनिश्चित हो गया है। उन्होंने सरकार से जल्द हस्तक्षेप कर शिक्षक हित में स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की।

अल्लाह और उसके रसूल के बनाए नियमों की पाबन्दी करना अनिवार्य

●हमें अपने चरित्र और आचरण को सुधारने का बेहतरीन माह रमज़ान शरीफ़ः- हसन साकिब तय्यब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- रमजानुल मुबारक का चांद देखकर मस्जिदों में तरावीह पढ़ने का सिलसिला शुरू हो जाता है और ईद का चांद देखकर तरावीह पढ़ना बन्द कर दी जाती है इस लिए हमेशा रमज़ान माह की 28 तारीख़ को प्रत्येक मस्जिद में तरावीह मुकम्मल हो जाती है क्योंकि अगर 29 का चांद निकला तो तरावीह नहीं पढ़ी जाएगी। 28 रमज़ान को तरावीह मुकम्मल होने पर दरगाह हज़रत बड़े मखदूम साहब में उपस्थित नमाजियों को संबोधित करते हुए सज्जादा नशीन शोएब मियां के सुपुत्र क़ारी हसन साकिब तय्यब उस्मानी ने कहा कि रमज़ान शरीफ़ का बेहतरीन महीना अल्लाह ने हमें एक नेअमत के रूप में दिया है जिसमें हम आसानी से अपने चरित्र और आचरण को सुधार सकते हैं, और अच्छे इंसान बन सकते हैं क्योंकि इंसानियत से बड़ी कोई

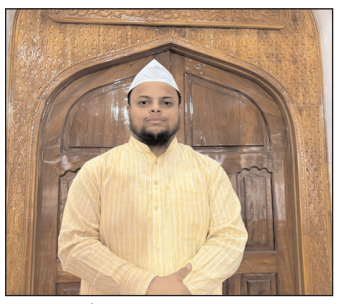

चीज़ नहीं है,आज हर जगह हम परेशान हो रहे हैं और इल्ज़ाम लगाते हैं कि मुझे परेशान किया जा रहा है जबकि सच्चाई यह है कि हम खुद अपने को परेशान किए हुए हैं,कारण यह है कि हम रोज़ा नमाज़ से कोसों दूर होते जा रहे हैं अपने माता पिता और बड़ों का आदर सम्मान जिसका हुक्म अल्लाह ने दिया वो हम करते नहीं हैं तो परेशानी अपने आप हमारा पीछा करती रहेगी और यह माह हमें यही सिखाता है कि हर ख़राब आदत खराब बात से दूर होकर रोज़ा रखें ।इस अवसर पर जन समुदाय को संबोधित करते हुए हसन साकिब उस्मानी तय्यब मियां ने यह भी कहा कि अल्लाह के रसूल ने इरशाद फरमाया था कि जिसने क़ुरआन को मजबूती से पकड़ लिया वो कभी परेशान और गुमराह न होगा लेकिन अफ़सोस कि हमारे घरों में अलमारियों में क़ुरआन पाक बन्द रखा हुआ है जिसे सामान्य दिनों में पढ़ना तो दूर की बात है इस पाक महीने रमज़ान शरीफ़ में भी इसका अध्ययन नहीं करते हैं ऐसा लगता है कि अब हमारे लिए दीन और उसके कानून जैसे नमाज़ आदि की कोई अहमियत ही नहीं रह गई है बिल्कुल उसको तमाशा बना लिया है। यही वजह हमारी परेशानी की है। श्री हसन ने आगे कहा कि इस माह में सुबह से कुछ न खाना न पीना इसको रोज़ा नहीं कहते है बल्कि रोज़ा नाम है परहेजगारी का नाम रोज़ा है। मस्जिद में तरावीह शोएब मियां के छोटे सुपुत्र हाफ़िज़ अरसलान हसनी ने पढ़ाई।इसके बाद सज्जादा नशीन नजमुल हसन शोएब मियां ने मुल्क में अमन शांति और ईरान अमेरिका इजराइल युद्ध विराम के लिए दुआ भी की।और अपील करते हुए कहा कि हमें एक और नेक बने रहना होगा तभी हमें कामियाबी हासिल हो पाएगी वरना हर जगह नाकामी हाथ आएगी। शोएब मियां ने कहा कि हमारा क़स्बा खैराबाद गंगा जमुनी तहज़ीब संस्कृति का क़स्बा है सब एक दूसरे की हर खुशी और दुख में शरीक रहते हैं इसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। इस अवसर पर सैकड़ों की तादाद में नमाज़ी मौजूद थे मस्जिद मोअज्जिन समर अहमद खादिम अतीक अहमद ने पूरी जिम्मेदारी से देख भाल की।

बलिया में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर सख्ती, लापरवाह डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- जिले में संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा, जबकि दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) को अभियान के प्रभावी संचालन के लिए टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निजी अस्पतालों के पंजीकरण की वैधता की जांच करने और अनियमितता मिलने पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल सीज करने के निर्देश दिए। साथ ही सरकारी

अस्पतालों को हिदायत दी गई कि मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर न किया जाए और बाहर की दवाएं न लिखी जाएं।

जिलाधिकारी ने गरीब मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने और अस्पतालों में 24 घंटे चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों–दिव्यांग कल्याण विभाग, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और उद्यान अधिकारी–से स्पष्टीकरण तलब किया गया। वहीं एमओआईसी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और एएनएम के साथ बैठक कर संचारी रोगों की रोकथाम के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। खंड शिक्षा अधिकारी और बीडीओ को भी ब्लॉक स्तर पर बैठकें आयोजित कर जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने 25 मार्च तक नगर निकाय स्तर पर सभासदों, सफाई कर्मियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अभियान के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर सभी विभागों को उपलब्ध कराने और संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया गया। गर्मी को देखते हुए बाजारों और प्रमुख चौराहों पर शेल्टर और पेयजल की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

घर पर चिड़ियों का डेरा लगने से मन में होती है खुशी : कंचन वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- बर्डपुर क्षेत्र के सूर्यकुड़िया निवासी कंचन वर्मा गौरैयों की सुरक्षा को लेकर काफी संजीदा हैं। इन्होंने अपने घर पर गौरैयों की सुरक्षा के लिए घोसले बना रखे हैं। पानी देने के लिए विशेष मिट्टी के कटोरे टांग रखे हैं, जिसमें दाना देकर उनका पेट भरने का प्रयास करते हैं। कंचन के घर पर हर रोज चिड़ियों का डेरा जमता है। उनके इस प्रयास से परिजनों के मन में खुशी होती है।कंचन वर्मा बताते हैं कि घर में हरियाली है। बच्चों से परिवार खुशहाल है, बर्डपुर क्षेत्र के कंचन वर्मा गौरैयों की सुरक्षा गौरैया की सुरक्षा के लिए घर पर घोसला बनाने के बाद विशेष मिट्टी के कटोरे टांग रखे हैं। उनके लिए रोज दाने का बंदोबस्त कटोरे में ही कर देते हैं। उन्होंने बताया कि कई साल से गौरैयों संरक्षण की दिशा में काम कर रहे हैं। अपने घर की छत पर गौरैया के दाने-पानी के लिए विशेष इंतजाम किया है। वह बताते हैं कि सुबह में जब चिड़ियों का डेरा घर पर होता है

तो यह मन को सुखद अहसास कराता है। उन्होंने कहा कि पंक्षी प्रेमियों से अपील की कि प्लास्टिक के डिब्बों या लकड़ी के बने घोसले ऐसे स्थान पर लगा सकते हैं जहां पक्षियों को आने-जाने में आसानी हो। खुद ऐसा करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। जब लोग गौरैया का ख्याल रखेंगे तो आंगन में जरूर फुदकेगी और आपके मन को खुशी मिलेगी सुरक्षा की दृष्टि से इस बात का ख्याल रखें कि बिल्ली की पहुंच न हो। इसके अलावा जिस स्थान पर घोसला हो वहां छत के पंखे दूरी पर हों। इसके साथ ही गौरैया के लिए दाना-पानी का ध्यान रखते हैं ।

सरसौल के भारत गैस गोदाम पर उमड़ी भीड़

घाटमपुर। कानपुर जनपद के सरसौल स्थिति भारत गैस एजेंसी के गोदाम पर गुरुवार को एलपीजी गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को भारी भीड़ उमड़ पड़ी,धूप में घंटों लाइन लगाकर लोग सिलेंडर के इंतजार में खड़े रहे, स्थित अनियंत्रित होने पर पुलिस को बुलाना पड़ा,, जिसके बाद सिलेंडर विचरण हो सका,,सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष उपभोक्ता लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे,, भीड़ अधिक होने के कारण मौके पर अव्यवस्था फैल गई,और कुछ उपभोक्ताओं से कहा सुनी हो गई,हालात बिगड़ते देख सरसौल चौकी इंचार्ज शादाब खान के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा, पुलिस ने स्थिति को संभाला, और व्यवस्था बनाते हुए गैस सिलेंडर का वितरण सुनिश्चित कराया, फिलहाल एजेंसी पर स्थित पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई, और उपभोक्ताओं को अभी भी सिलेंडर के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,, क्षेत्र की अन्य गैस एजेंसियों में स्थित सामान्य बनी हुई है।

नैनी में परीक्षा परिणाम को लेकर छात्रों का उग्र प्रदर्शन, चक्काजाम की कोशिश; पुलिस ने संभाला मोर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (राज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद गुरुवार को छात्रों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि कई छात्रों को बिना किसी स्पष्ट कारण के फेल कर दिया गया है। इससे नाराज छात्रों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया और कुछ समय के लिए चक्काजाम करने की कोशिश भी की। इस दौरान नैनी क्षेत्र में यातायात प्रभावित होने की स्थिति बन गई और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर

पहुंची। पुलिस बल ने संयम बरतते हुए छात्रों को समझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद उन्हें सड़क से हटाया। प्रशासन की सक्रियता के चलते स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया और यातायात सामान्य कराया गया। हालांकि, प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि परीक्षा परिणाम में पारदर्शिता नहीं बरती गई है और मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियां हुई हैं। छात्रों ने मांग की है कि कॉपियों की पुनः जांच कराई जाए और निष्पक्ष जांच के बाद संशोधित परिणाम जारी किया जाए। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई।

एसपी मो.मुश्ताक ने कोतवाली का किया वार्षिक निरीक्षण, चौकीदार नाथूराम सम्मानित

●सुरक्षा व्यवस्था, रजिस्टरों, साइबर सेल व मिशन शक्ति केन्द्र की जांच, पुलिस कर्मियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने गुरुवार को कोतवाली सदर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लेते हुए कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत गार्द द्वारा सलामी देने से हुई, जिसके बाद एसपी ने गार्द का निरीक्षण कर पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को परखा। इसके बाद उन्होंने थाना परिसर का भ्रमण करते हुए कार्यालय, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क, सीसीटीवी कैमरे, मालखाना, बैरक सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान थाना के विभिन्न महत्वपूर्ण रजिस्टरों–एनसीआर, टॉप-10, महिला उत्पीडन, भूमाफिया, त्यौहार रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों की जांच की गई, जो अद्यतन एवं संतोषजनक पाए गए।

एसपी ने हिस्ट्रीशीटरों की नियमित चेकिंग, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई तथा गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। ई-मालखाना और शस्त्रागार का निरीक्षण करते हुए शस्त्रों की नियमित सफाई एवं रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं साइबर हेल्प डेस्क पर धोखाधड़ी से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई, बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कराने और पीड़ितों की धनराशि वापस दिलाने के लिए समन्वय बढ़ाने को कहा गया। मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण करते हुए महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही एंटी रोमियो टीम की नियमित मॉनिटरिंग और पीड़िताओं की समुचित काउंसिलिंग के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने ग्राम बुढ़वार के चौकीदार नाथूराम को क्षेत्र की सटीक जानकारी एवं अपराध संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए 2 हजार रुपये की नगद धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, जिससे अन्य कर्मियों को भी प्रेरणा मिली। इसके अलावा लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अवैध गतिविधियों पर अंकुश तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अनुराग अवस्थी, उपनिरीक्षक राम प्रकाश सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त प्रयागराज ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिवक्ताओं व अधिकारियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मण्डलायुक्त प्रयागराज एवं रोल प्रेक्षक सौम्या अग्रवाल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिवक्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक के बाद मण्डलायुक्त ने जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ मतदाता सूचियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान जिलाधिकारी ने शिव सहाय अवस्थी ने फार्म-6 एवं एसआईआर के तहत अब तक हुई प्रगति से अवगत कराया तथा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर प्राप्त दावों एवं आपत्तियों पर विस्तार से

चर्चा की गई।बैठक में मण्डलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के नामों में असामान्य रूप से अधिक वृद्धि या कमी हुई है, वहां संबंधित सम्बन्धित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी द्वारा विशेष जांच कराई जाए और उसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।उन्होंने 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के नए मतदाताओं और महिला मतदाताओं के अधिक से अधिक पंजीकरण पर विशेष जोर देते हुए अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। इसके साथ ही ईआरओ नेट पर प्राप्त आवेदनों की दोबारा गहन जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होने कहा कि सभी सम्बन्धित अधिकारी इस कार्य को गम्भीरता से लेते हुये निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें। बैठक में अपर आयुक्त (प्रशासन) रत्ना प्रिया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) आदित्य प्रजापति, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।